भारत सरकार

संचार मंत्रालय

डाक विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4132

उत्तर देने की तारीख 18 मार्च, 2020

डाकघरों का आधुनिकीकरण

4132. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
डॉ. सुजय विखे पाटील:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
श्री हेमन्त पाटिल:
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघरों के आधुनिकीकरण/उन्नयन की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति क्या है;

(ख) आधुनिकीकरण प्रक्रिया के तहत डाकघरों को सौंपे गए कार्यकलापों का नया कार्यक्षेत्र क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान उक्त आधुनिकीकरण परियोजना में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कुल कितना निवेश किया गया है;

(घ) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत डाकघरों में बालिकाओं के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितने बचत खाते खोले गए हैं; और

(ङ) उक्त योजना के तहत बालिकाओं को अन्य क्या सुविधाएं प्रदान किए जाने का प्रस्ताव किया गया है?

उत्तर

संचार, मानव संसाधन विकास तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

(श्री संजय धोत्रे)

(क) सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना के तहत, डाक विभाग ने बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए डाकघरों का आधुनिकीकरण किया है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

(i) सभी विभागीय डाकघ 25487रों को कम्प्यूटरीकृत कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, नए भारत के लिए ग्रामीण डाकघरों का डिजिटल उन्नयन (दर्पण) परियोजना के तहत शहरी जनसंख्या को नेटवर्क आधारित सेवाएं प्रदान करने के लिए शाखा 129076 डाकघरों को सिम आधारित हस्तचालित उपकरण प्रदान किए गए हैं।**दर्पण** के तहत रोलआउट किए गए डाकघरों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या का विवरण **अनुबंध-।** में दिया गया है।

(ख) आधुनिकीकरण प्रक्रिया के तहत, डाकघरों को सौंपे गए कार्यों के नए क्षेत्र निम्नानुसार हैं:-

(i) सिंगल वाइड एरिया नेटवर्क (वैन) के माध्यम से विभागीय डाकघरों को नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। 29.02.2020 की स्थिति के अनुसार, प्रशासनिक और डाक कार्यालयों सहित लोकेशन 27362, वैन सिस्टम में कार्य कर रहे हैं।

(ii) डाकघरों में कोर बैंकिंग और कोर बीमा सेवाएं शुरू की गई हैं। 04.2.2020 की स्थिति के अनुसार 23,783 डाकघरों में कोर बैंकिंग समाधान लागू किया गया है। इनका ब्यौरा **अनुबंध-II** में संलग्न है। यह, अन्य के अतिरिक्त, इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम, इंटरएक्टिव वॉयस रेस्पॉन्स सिस्टम (आईवीआरएस) और एसएमएस के माध्यम से बहु सेवा वितरण चैनल प्रदान करता है। एटीएम स्थापित किए गए हैं 997, जो अंतर प्रचालनीय हैं।-

(iii) मेल प्रचालन, रिटेल उत्पाद, लॉजिस्टिक्स और मानव संसाधनों के लिए समाधान प्रदान करने हेतु कोर सिस्टम इंटीग्रेटर (सीएसआई) परियोजना को कार्यान्वित किया गया है।

(iv) रीयल टाइम वितरण सूचना प्रदान करने के लिए मोबाइल ऐप आधारित वितरण शुरू किया गया है। सभी पोस्टमैन को स्मार्टफोन प्रदान किए गए हैं।

(v) पत्र पेटियों की निकासी की जांच करने के लिए तंत्र-की व्यवस्था करने हेतु, विभाग ने मोबाइल आधारित 'नन्यथा' ऐप के माध्यम से पत्र पेटियों की इलेक्ट्रॉनिक निकासी की शुरुआत की है।-

(vi) रीयल टाइम ट्रैकिंग के लिए, स्पीड पोस्ट हेतु ऑनलाइन ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम की व्यवस्था की गई है।

(vii) ग्राहक को किसी वस्तु की वितरण स्थिति बताने के लिए शार्ट मैसेजिंग सर्विस (एसएमएस) का प्रयोग किया जाता है।

(viii) छसे अधिक काउंट :अथवा छ :रों वाले डाकघरों में डायनैमिक क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (डीक्यूएमएस) कार्यान्वित किया गया है।

(ग) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष में सूचना प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण परियोजना पर किया गया कुल व्यय निम्नानुसार है:-

वित्तीय वर्ष	**व्यय (करोड़ में)**
2016-17	188.42
2017-18	415.64
2018-19	375.32
2019-20 (फरवरी, 2020 तक)	342.43

विभाग द्वारा, केंद्रीय सर्वर आधारित प्रौद्योगिकी के माध्यम से देशभर में केंद्रीय रूप से सूचना प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण परियोजना लागू की गई है और इसलिए राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार व्यय लागू नहीं होता।

(घ) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत डाकघरों में बालिकाओं के 82,19,146 सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए थे। डाक सर्कल-वार **ब्यौरा अनुबंध-III** के रूप में संलग्न है।

(ड.) इस समय, उपर्युक्त योजना के तहत, बालिकाओं को कोई अन्य सुविधा देने का प्रस्ताव नहीं है।

अनुबंध-।

"डाकघरों का आधुनिकीकरण" के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री धैर्यशील संभाजी राव माणे, डॉ. सुजय विखे पाटील, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री हेमंत पाटिल और श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल द्वारा 18 मार्च, 2020 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4132 के उत्तर में संदर्भित अनुबंध-।

दर्पण योजना के तहत डिजिटलाइज्ड डाकघरों का राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा		
क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम**	**दर्पण के तहत रोल आउट किए गए शाखा डाकघरों की संख्या**
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	0
2	आंध्र प्रदेश	8,932
3	अरूणाचल प्रदेश	233
4	असम	3,384
5	बिहार	7,962
6	चंडीगढ़	9
7	छत्तीसगढ़	2,815
8	दादरा एवं नगर हवेली	45
9	दमन एवं दीव	13
10	दिल्ली	46
11	गोवा	152
12	गुजरात	7,580
13	हरियाणा	2,183
14	हिमाचल प्रदेश	2,316
15	जम्मू एवं कश्मीर	1,303
16	झारखंड	2,647
17	कर्नाटक	7,936
18	केरल	3,553
19	लद्दाख	0
20	लक्षद्वीप	0
21	मध्य प्रदेश	7,258
22	महाराष्ट्र	10,491
23	मणिपुर	637
24	मेघालय	403
25	मिजोरम	343
26	नगालैंड	286
27	ओडिशा	6,967
28	पुदुच्चेरी	60
29	पंजाब	3,087
30	राजस्थान	8,977
31	सिक्किम	186
32	तमिलनाडु	9,206
33	तेलंगाना	4,968
34	त्रिपुरा	627
35	उत्तर प्रदेश	15,110
36	उत्तराखंड	2,316
37	पश्चिम बंगाल	7,045

	कुल	**1,29,076**

अनुबंध-II

"डाकघरों का आधुनिकीकरण" के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री धैर्यशील संभाजी राव माणे, डॉ. सुजय विखे पाटील, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री हेमंत पाटिल और श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल द्वारा 18 मार्च, 2020 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4132 के उत्तर में संदर्भित अनुबंध-।।

सर्कल का नाम	**दिनांक 04.02.2020 की स्थिति के अनुसार उन डाकघरों की कुल संख्या जहां कोर बैंकिंग समाधान लागू किया गया है।**
आंध्र प्रदेश	1617
असम	507
बिहार	782
छत्तीसगढ़	314
दिल्ली	413
गुजरात	1317
हरियाणा	509
हिमाचल प्रदेश	429
जम्मू एवं कश्मीर	210
झारखंड	369
कर्नाटक	1751
केरल	1506
मध्य प्रदेश	1028
महाराष्ट्र	2179
पूर्वोत्तर	197
ओडिशा	1041
पंजाब	771
राजस्थान	1278
तमिलनाडु	2563
तेलंगाना	852
उत्तराखंड	332
उत्तर प्रदेश	2340
पश्चिम बंगाल	1474
1 सेन्ट्रल बेस डाकघर	2
2 सेन्ट्रल बेस डाकघर	2

अनुबंध-III

"डाकघरों का आधुनिकीकरण" के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री धैर्यशील संभाजी राव माणे, डॉ. सुजय विखे पाटील, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री हेमंत पाटिल और श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल द्वारा 18 मार्च, 2020 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4132 के उत्तर में संदर्भित अनुबंध-।।।

सर्कलवार खोले गए सुकन्या समृद्धि खातों की संख्या

डाक सर्कल का नाम	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम	वित्तीय वर्ष 2016-17	वित्तीय वर्ष 2017-18	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2019-20 (फरवरी, 2020 तक)
		01.04.2016 से 31.03.2017 के दौरान शामिल किए गए लाभार्थियों की कुल संख्या	01.04.2017 से 31.03.2018 के दौरान शामिल किए गए लाभार्थियों की कुल संख्या	01.04.2018 से 31.03.2019 के दौरान शामिल किए गए लाभार्थियों की कुल संख्या	01.04.2019 से 29.02.2020 के दौरान शामिल किए गए लाभार्थियों की कुल संख्या
आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश	74,041	85,132	104,314	115,438
असम	असम	23,288	19,621	20,551	91,130
बिहार	बिहार	115,329	115,483	108,582	112,442
छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़	61,975	90,012	72,403	87,480
दिल्ली	दिल्ली	26,135	25,641	28,314	57,619
गुजरात	गुजरात	64,524	58,885	72,169	137,331
हरियाणा	हरियाणा	62,363	48,277	76,079	70,666
हिमाचल प्रदेश	हिमाचल प्रदेश	25,290	32,029	30,629	33,218
जम्मू एवं कश्मीर	जम्मू एवं कश्मीर	7,897	5,460	5,599	11,462
झारखंड	झारखंड	80,030	30,699	23,989	28,953
कर्नाटक	कर्नाटक	86,303	114,430	190,538	161,917
केरल	केरल	41,749	45,914	73,635	125,600
मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश	110,930	88,441	465,206	289,920
महाराष्ट्र	महाराष्ट्र	164,634	155,090	198,928	234,572
	गोवा	3,452	2,194	2,624	2,235
पूर्वोत्तर	अरूणाचल प्रदेश	1,621	1,417	1,288	763
	मेघालय	943	539	654	724
	मिजोरम	516	396	1,538	1,606
	मणिपुर	3,608	2,983	2,617	2,662
	नगालैंड	499	277	376	1,612
	त्रिपुरा	5,510	3,089	3,513	2,676
ओडिशा	ओडिशा	53,858	72,260	85,648	90,483
पंजाब	पंजाब	47,976	47,799	69,539	67,937
राजस्थान	राजस्थान	103,753	164,232	182,838	121,367
तमिलनाडु	तमिलनाडु	146,509	141,518	234,242	225,832
तेलंगाना	तेलंगाना	52,564	58,358	74,275	76,816
उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश	168,557	184,539	204,953	220,641
उत्तराखंड	उत्तराखंड	27,508	34,415	37,421	36,334
पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल	45,763	64,869	52,760	79,607
	सिक्किम	759	675	1,669	654

कुल		**1,607,884**	**1,694,674**	**2,426,891**	**2,489,697**